मलिक की कहानी

LIDA Italia

Vilius Aistis Vilimas

Pratibha Singh

4

हिन्दी hi

मेरा नाम मलिक है और मेरी उम्र 39 साल है। मेरा जन्म अफ़ग़ानिस्तान में हुआ था। मेरा धर्म अफ़ग़ानिस्तान के मुख्य धर्म से अलग है।

कई सालों से मेरे धर्म के लोगों को सताया जा रहा है। यह मेरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा दौर रहा है।

कुछ साल पहले एक युद्ध हुआ था। मुझे डर था कि मुझे मार दिया जाएगा। मैंने यूरोप जाने और एक नया जीवन शुरू करने के लिए अपना परिवार छोड़ दिया।

मैं कई किलोमीटर चला। कभी-कभी मेरे पास खाना नहीं होता था और रहने के लिए कोई जगह नहीं होती थी। जिन लोगों के साथ मैंने यात्रा की उनमें से कुछ की मृत्यु हो गई।

आखिरकार मैं पहुँच ही गया। वहाँ मैं अपने देश के कुछ लोगों से मिला, जिन्होंने मेरी मदद की। मुझे नहीं पता कि उनके बिना मेरा क्या होता।

मैंने उनकी भाषा सीखनी शुरू की, लेकिन यह बहुत मुश्किल था। मैं जानता था कि नौकरी पाने के लिए उनकी भाषा बोलना बहुत ज़रूरी था।

मैंने पहली बार भाषा सीखने के लिए कई वर्षों तक अध्ययन किया। यह मश्कुल था, लेकिन मुझे नई चीज़ें सीखने में मज़ा आता है।

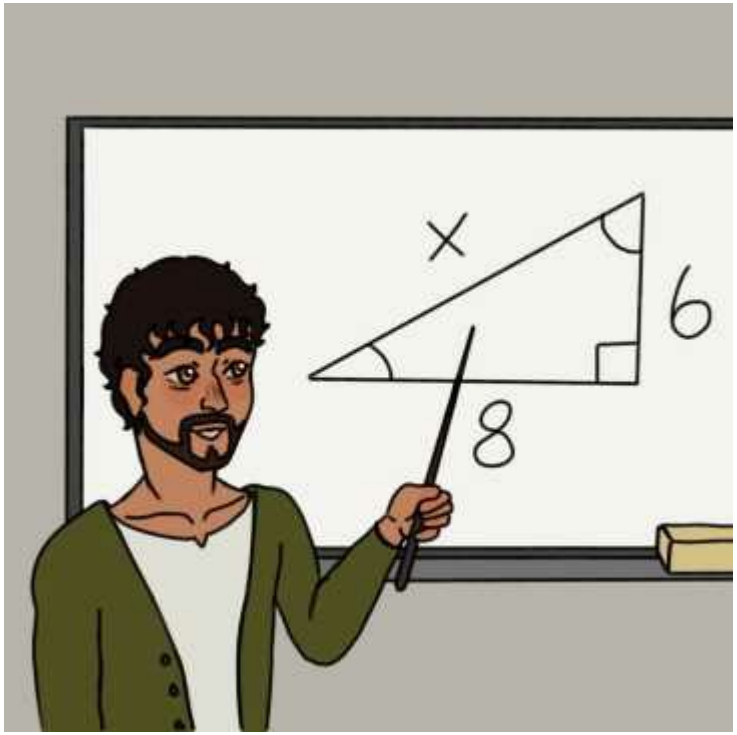

पढ़ाई के बाद मैंने काम करना शुरू किया। पहले मैंने एक रेस्तराँ में काम किया, और फिर मैं एक शिक्षक बन गया क्योंकि मैं दूसरों की मदद करना चाहता हूँ।

मैं एक दिन अफ़ग़ानिस्तान वापस जाने की उम्मीद करता हूँ। वहाँ कई लोगों को मदद की ज़रूरत है और मैं उनकी मदद करना चाहता हूँ।

LIDA Stories

lidastories.net

मलिक की कहानी

LIDA Italia
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh

CC BY